साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 160 | जौनपुर, बुधवार, 06 मार्च 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### सीबीआई जांच के निर्देश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची ममता सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल सरकार ने संदेशखली मामले में सीबीआई जांच के निर्देश देने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिका का उल्लेख किया। जिसके बाद शीर्ष अदालत ने वकील से रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष इसका उल्लेख करने को कहा। इससे पहले आज, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने संदेशखाली में ईडी अधिकारियों पर हमले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित करने का आदेश दिया। अदालत ने पश्चिम बंगाल पुलिस को मामले के मुख्य आरोपी शाजहान शेख को सीबीआई को सौंपने का भी आदेश दिया। शेख की गिरफ्तारी के बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच बशीरहाट पुलिस से लेकर सीआईडी घ्घ्को सौंप दी थी, जो अब सीआईडी घ्घ्की पुलिस रिमांड में है। टीएमसी नेता को पुलिस ने 29 फरवरी को गिरफ्तार किया था, जिसके एक दिन बाद उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि महिलाओं पर कथित यौन अत्याचार और संदेशखाली में जमीन हड़पने के मुख्य आरोपी शेख को सीबीआई, ईडी या पश्चिम बंगाल द्वारा गिरफ्तार किया जा सकता है।

### डिप्टी सीएम डीके शिव कुमार को बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (5 मार्च) को 2018 मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही को रद्द कर दिया। कांग्रेस नेता ने कथित मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित एक मामले में उन्हें जारी किए गए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन को रद्द करने की उनकी याचिका को खारिज करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और केवी विश्वनाथन की पीठ ने शिवकुमार को राहत दी। इस मामले के सिलसिले में कांग्रेस नेता को सितंबर 2019 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। अगले महीने दिल्ली हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। भाजपा पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया था और कहा था कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। कांग्रेस नेता के खिलाफ ईडी की जांच 2017 में उनके और उनके सहयोगियों से जुड़े परिसरों पर आयकर विभाग की छापेमारी के बाद हुई थी। अधिकारियों ने तब कहा था कि इन छापों में लगभग 300 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की गई थी। शिवकुमार ने पलटवार करते हुए कहा था कि नकदी का संबंध भाजपा से है।

## योगी मंत्रिमंडल का विस्तार- अनिल कुमार समेत चार लोगों ने ली मंत्री पद की शपथ, सीएम योगी ने दी बधाई

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 के मंत्रिमंडल का पहला विस्तार मंगलवार को हो रहा है। राजभवन में एनडीए के सहयोगी सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर, भाजपा से एमएलसी दारा सिंह चौहान और विधायक सुनील शर्मा और रालोद से अनिल कुमार पुरकाजी ने मंत्री पद की शपथ ली। इन विधायकों को राजभवन में अयोजित समारोह में राज्यपाल आंनदीबेन पटेल ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

वहीं ओपी राजभर अपने पूरे परिवार के साथ राजभवन पहुंचे। उनके समर्थकों ने मंत्री पर मिलने पर खुशी जताई है। एसबीएसपी के राष्ट्रिय प्रवक्ता सुनील अर्कवंशी ने कहा कि प्रदेश में पिछड़ों की आवाज बुलंद करने के लिए हमारे नेता जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रालय कोई भी हो जनता की सेवा करना हमारी पार्टी और अध्यक्ष के लिए सर्वोपरि

है। गौरतलब है कि विधानसभा चुनावों के बाद से ही यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें लगाई जा रही थीं। भाजपा की तरफ से दारा सिंह चौहान और ओम प्रकाश राजभर को मंत्री बनाये जानें की खबरें काफी समय से सामने आ रही थीं।

सीएम योगी रहे मौजूद, फूल देकर किया स्वागत

राजभवन में मंत्रिमंडल विस्तार समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ भी मंच पर मौजूद रहे। मंत्रियों के शपथ लेने के बाद सभी ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का अभिवादन किया। सीएम योगी ने अपनी कैबिनेट में शामिल होने वाले सभी चारो सदस्यों को फूल भेंट कर शुभकामनाएं दीं

सीएम योगी ने दी बधाई

वहीं मंत्रीमंडल में शामिल इन नए मंत्रियों को बाधाई देते हुए सीएम योगी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पोस्ट साझा करते हुए लिखा, श्श्उत्तर प्रदेश सरकार में आज मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई! पूर्ण विश्वास है कि आप सभी श्मोदी की गारंटी को ध रातल पर उतारते हुए विकसित उत्तर प्रदेशश के संकल्प की सिद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आप सभी के उज्ज्वल कार्यकाल के लिए मेरी मंगलमय शुभकामनाएं।

मंत्री बनने के बाद बोले ओपी राजभर

उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ लेने के बाद SBSP प्रमुख ओपी राजभर ने कहा, गरीबों की सेवा का जो लक्ष्य है।

## हिमाचल प्रदेश में मौजूदा राजनीतिक संकट के लिए कांग्रेस जिम्मेदार – अनुराग ठाकुर

हिमाचल प्रदेश, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में मौजूदा राजनीतिक संकट के लिए सोमवार को कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्यों ने भी सरकार को ''स्वीकार नहीं किया है''। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने विधानसभा में बजट पर मतदान से अनुपस्थित रहने के कारण, हालिया राज्यसभा चुनाव में 'क्रॉस वोटिंग' करने वाले छह कांग्रेस विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया था। कांग्रेस के एक बागी विधायक ने दावा किया था कि पार्टी के कम से कम नौ और विध ायक उनके संपर्क में हैं। ठाकुर ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा, ''राज्य में मौजूदा राजनीतिक संकट के लिए कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार है। यहां तक कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी अपनी पार्टी की सरकार को स्वीकार नहीं किया है क्योंकि वह झूठे वादे करके सत्ता में आई थी।'' केंद्रीय मंत्री ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस पार्टी के ''आंतरिक संकट'' में भाजपा की कोई भूमिका नहीं है। ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए हर्ष महाजन को उम्मीदवार बनाकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि महाजन की जीत ने साबित कर दिया कि कांग्रेस विधायक अपने नेतृत्व से खुश नहीं हैं और उन्हें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की कार्यशैली मंजूर नहीं है।

## हिंद महासागर क्षेत्र में नहीं चलेगी किसी की दादागिरी, संप्रभुता की रक्षा के लिए भारत मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना यह सुनिश्चित कर रही है

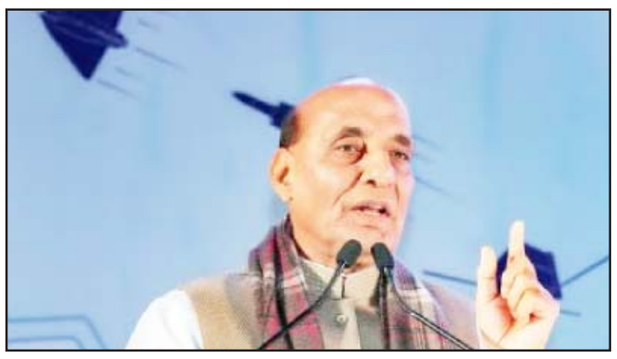

कि कोई भी देश, अपनी जबरदस्त आर्थिक और सैन्य शक्ति के साथ, हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में मित्र देशों पर प्रभुत्व स्थापित करने या उनकी संप्रभुता को खतरे में डालने में सक्षम न हो। रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में तटीय देशों को पूर्ण सहायता प्रदान करके अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र में, हमने यह सुनिश्चित किया है कि नियम–आध ारित समुद्री व्यवस्था मजबूत हो। सिंह ने गोवा में नेवल वॉर कॉलेज (एनडब्ल्यूसी) में नए प्रशासनिक और प्रशिक्षण भवन के औपचारिक उद्घाटन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि हिंद महासागर के सभी पड़ोसी देशों को उनकी स्वायत्तता और संप्रभुता की रक्षा करने में मदद की जाए। हमने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी इस क्षेत्र में आधिपत्य का प्रयोग न करे। मंत्री ने खतरे की आशंका से निपटने में बदलाव पर भी प्रकाश डाला।

## संदिग्ध लेनदेन को छिपाने के लिए एसबीआई का ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है सरकार - खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकार अपने संदिग्ध लेनदेन को छिपाने और चुनावी बॉन्ड से संबंधित उच्चतम न्यायालय के फैसले को नाकाम बनाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक का ढाल के रूप में उपयोग कर रही है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय बढ़ाने का सोमवार को उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया। पिछले महीने अपने फैसले में उच्चतम न्यायालय ने एसबीआई को छह मार्च तक निर्वाचन आयोग को विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार चुनावी बॉन्ड के माध्यम से अपने संदिग्ध लेनदेन को छिपाने के लिए हमारे देश के सबसे बड़े बैंक को ढाल के रूप में उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड की मोदी सरकार की काला धन रूपांतरण योजना को असंवैधानिक, आरटीआई का उल्लंघन और अवैध ा करार देते हुए रद्द कर दिया था और एसबीआई को 6 मार्च तक दाता विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा था, लेकिन भाजपा चाहती है कि इसे लोकसभा चुनाव के बाद किया जाए। इस लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म होगा और एसबीआई 30 जून तक डेटा साझा करना चाहता है। खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा इस फर्जी योजना की मुख्य लाभार्थी है। उन्होंने सवाल किया, क्या मोदी सरकार चुनावी बॉन्ड के बदले मोदी जी के करीबियों को सौंप दिए गए थे? विशेषज्ञों का कहना है कि

आसानी से भाजपा के संदिग्ध सौदों को नहीं छिपा रही है, जहां राजमार्गों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, बिजली संयंत्रों आदि के अनुबंध इन अपारदर्शी दानदाताओं की 44,434 स्वचालित डेटा प्रविष्टियों को केवल 24 घंटों में प्रकट और मिलान किया जा सकता है।

## पीएम मोदी ने ओडिशा में 20,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व उद्घाटन

ओडिशा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा के जाजपुर में 20,000 करोड़ रुपये मूल्य की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आज देश में ऐसी सरकार है जो वर्तमान की चिंता भी कर रही है और विकसित भारत का संकल्प लेकर भविष्य के लिए भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज का ये आयोजन इस बात की भी पहचान है कि बीते वर्षों में हमारे देश में वर्क कल्चर कितनी तेजी से बदला है। पहले की सरकारों की दिलचस्पी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में नहीं होती थी, जबकि हमारी सरकार जिस परियोजना की नींव रखती है उसे तेजी से पूरा करने का प्रयास भी करती है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। मोदी ने कहा कि इतनी विशाल संख्या में आपका यहां आना, ये पूरब का मूड दिखाता है। ओडिशा के संकल्प क्या है, ये आज साफ–साफ नजर आ रहा है। ये संकल्प है – अबकी बार 400 पार! उन्होंने कहा कि 400 पार का संकल्प भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाने वाला है। 400 पार का संकल्प देश में एक मजबूत और निर्णायक फैसलें लेने वाली सरकार फिर एक बार बनाने के लिए है। 400 पार का संकल्प किसान, नौजवान, नारीशक्ति और गरीबों का जीवन बदलने के लिए है। इसमें पूर्वी भारत की, ओडिशा की बहुत बड़ी भूमिका होने वाली है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों से भाजपा सरकार यहां ओडिशा में अभूतपूर्व निवेश कर रही है। हमारा प्रयास है कि ओडिशा विकसित भारत का भी गेटवे बने। एक प्रकार से ओडिशा विकसित भारत– आत्मनिर्भर भारत को ऊर्जा दे रहा है।

## भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने वाली ठोस योजना तैयार कर रही है कांग्रेस – राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश में पेपर लीक की हालिया घटनाओं की पृष्ठभूमि में मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए एक ठोस योजना तैयार कर रही है और जल्द ही एक दृष्टिकोण लोगों के सामने रखेगी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि युवाओं का भविष्य 'इंडिया' गठबंधन की प्राथमिकता है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 11 फरवरी 2024 को आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गत शनिवार को रद्द कर दी गयी। हाल में प्रदेश सरकार ने उप्र पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा भी निरस्त्त कर छह महीने के भीतर इसे फिर से कराने का निर्देश दिया था। पेपर लीक उत्तर प्रदेश ही नहीं, देश भर के युवाओं के लिए अभिशाप बन गया है। पिछले सात वर्षों में ही 70 से अधिक पेपर लीक के मामलों ने 2 करोड़ से अधिक छात्रों का सपना तोड़ा है।

## 19 बार लान्च हुआ राहुलयान, 20वीं बार प्रयास जारी – अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव से पहेल केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह महाराष्ट्र दौरे पर है। उन्होंने जलगांव में युवा सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि आने वाला चुनाव 2047 में आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने का चुनाव है। ये चुनाव भारत के युवाओं और भारत के भविष्य का चुनाव है। भाजपा को वोट का मतलब – युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को वोट, भाजपा को वोट मतलब – महान भारत की रचना को वोट, भाजपा को वोट का मतलब – मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट। अमित शाह ने कहा कि आपमें से जो लोग पहली बार वोट करेंगे, मैं उन युवा साथियों से

विशेषकर कहने आया हूं कि आप अपना वोट उस पार्टी को दीजिएगा जो पार्टी भारत माता को विश्वगुरु के स्थान पर बैठा पाए, महान भारत की रचना कर पाए। अपना वोट लोकतंत्र को मजबूत करने वाली पार्टियों को दीजिए। उन्होंने कहा कि मोदी जी की खिलाफत करने वाली घमंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां परिवारवादी पार्टियां हैं। सोनिया गांधी को राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है। उद्धव ठाकरे को आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाना है। शरद पवार जी को बेटी को मुख्यमंत्री बनाना है। ममता दीदी को भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना है। स्टालिन को अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है। शाह ने सवाल करते हुए कहा कि क्या वे पार्टियाँ जिनके अंदर कोई लोकतांत्रिक मूल्य नहीं हैं, बल्कि परिवारवाद के दर्शन पर चलती हैं, देश के लोकतंत्र को बचा सकती हैं? मोदी जी ने 10 साल के अंदर चंबम से लेकर सेमी कंडक्टर तक, डिजिटल से लेकर ड्रोन तक, एआई से लेकर वैक्सीन तक और 5जी से लेकर फिनटेक तक हर क्षेत्र में युवाओं के लिए दरवाजे खोलने का काम किया।

## 1,000 रुपये प्रति माह देने वाली योजना के लिए जल्द शुरू होगा पंजीकरण

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए महिलाओं का आशीर्वाद मांगते हुए मंगलवार को घोषणा की कि उन्हें 1,000 रुपये प्रति माह देने वाली योजना के लिए पंजीकरण जल्द ही शुरू होगा। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024–25 के लिए विधानसभा में बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की घोषणा की थी, जिसके तहत 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को 1,000 रुपये प्रति माह दिया जाएगा। दिल्ली में मतदाता के तौर पर पंजीकृ त महिलाएं इस योजना के लिए पात्र होंगी, बशर्ते कि उन्हें किसी अन्य योजना का लाभ नहीं मिल रहा हो और वे सरकारी कर्मचारी या आयकरदाता नहीं हों। लोकसभा चुनाव अप्रैल–मई में होने प्रस्तावित

हैं और दिल्ली से संसद के निचले सदन में सात सदस्य निर्वाचित होते हैं। चुनाव के बाद लागू होने वाली इस योजना से राष्ट्रीय राजधानी में करीब 50 लाख महिलाओं को लाभ मिलने की संभावना है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए एक लंबे पोस्ट में कहा कि कल से उन्हें दिल्ली की माताओं और बहनों के ढेरों फोन आ रहे हैं और वे पूछ रहीं हैं कि महिला सम्मान योजना में कैसे पंजीकरण करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस योजना पर काम कर रहे हैं और इसके लिए पंजीकरण जल्द ही शुरू होगा। 'आम आदमी पार्टी' (आप) के संयोजक केजरीवाल ने कहा कि वह जो भी कुछ कर पा रहे हैं, वह सभी माताओं और बहनों के आशीर्वाद का नतीजा है। उन्होंने कहा, ''...मेरे विरोधियों ने तो मुझे कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन आपका आशीर्वाद उनके सभी षडयंत्रों को असफल कर रहा है।''

'आप' दिल्ली में कांग्रेस के साथ सीटों के बंटवारे की व्यवस्था के तहत सात में से चार लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा के प्रत्यक्ष संदर्भ में केजरीवाल ने कहा कि वह महिलाओं और उनके परिवारों के लिए जो भी अच्छा काम करना चाहते हैं, ''ये (भाजपा) लोग उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के जरिए मुझे रोकते हैं।'' केजरीवाल ने एक पोस्ट में कहा, ''अगले महीने चुनाव हैं। इस चुनाव में आप सब मुझे आशीर्वाद दें, अपने घर के सभी लोगों से भी कहें। इस चुनाव में मेरे हाथ मजबूत करें, ताकि आपका भाई और बेटा आपकी खूब सेवा कर सके और आपके परिवार का खयाल कर सके।

# संपादकीय

## म्यूनिख भारत की विदेश नीति का परीक्षण

भारत की विदेश नीति पर कुछ खोजपूर्ण सवालों का सामना करना पड़ा। हमास–इजराइल संघर्ष पर भारत के स्पष्ट रुख की पृष्ठभूमि में, पिछले साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमास के ष्आतंकवादीष हमले की निंदा की गई और उसी पर प्रारंभिक इजरायली प्रतिक्रिया के लिए अमेरिका के समर्थन का समर्थन किया गया, और देश की स्वतंत्र लाइन का समर्थन किया गया। बहुत पुराने यूक्रेन–रूस सैन्य टकराव के कारण भारत को यूएनजीए में अमेरिका द्वारा शुरू किए गए सोवियत विरोधी प्रस्ताव पर मतदान से भी दूर रहना पड़ा, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि 16 से 18 फरवरी तक आयोजित म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में, बाहरी मामलों के मंत्री (ईएएम) एस जयशंकर को एक इंटरैक्टिव सत्र में भारत की विदेश नीति पर कुछ खोजपूर्ण सवालों का सामना करना पड़ा। विदेश मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में भारत के नीतिगत दृष्टिकोण का विवरण देने में बहुत अच्छा काम किया, जो भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर उनकी पकड़ के लिए एक श्रद्धांजलि है, साथ ही यह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सफल रुख की पुष्टि है कि भारत की विदेश नीति अनिवार्य रूप से द्विपक्षीय पर आधारित है – और यहां तक कि बहुपक्षीय–बंधन का उद्देश्य विश्व शांति और मानव विकास की वैश्विक उन्नति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना आपसी सुरक्षा और आर्थिक हितों की पूर्ति करना है। जयशंकर ने इस प्रकाश में अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संभालने के भारत के तरीके का वर्णन करने के लिए ष्स्मार्ट नीतियांष शब्द का चयन किया और सत्र के संयोजक द्वारा किए गए गुटनिरपेक्षता के संदर्भ के जवाब में बताया कि वैश्विक सुरक्षा वातावरण ष्स्थिरष नहीं है और वैचारिक रूप से ष्निश्चित स्थितिष केवल आज की जटिल भू–राजनीतिक और भू–आर्थिक समस्याओं के समाधान खोजने की दिशा में प्रगति का मार्ग विकसित करने में आ सकती है। उन्होंने संकेत दिया कि स्मार्ट होने का मतलब किसी और को नुकसान पहुंचाए बिना देश के राष्ट्रीय हितों की सेवा करने और नीति निर्माण में पारदर्शिता अपनाने के बारे में ष्सकारात्मकष होना है। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन संवाद के माध्यम से शांति के अपने मिशन के तहत उस समय की गंभीर सुरक्षा चिंताओं पर बहस करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी सभा है। इस बार इसने बड़ी संख्या में देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों, विदेश और रक्षा मंत्रियों, सुरक्षा विशेषज्ञों, सैन्य नेताओं के अलावा रक्षा उद्योग के प्रमुखों को एक साथ लाया और महत्वपूर्ण राजनयिक पहल और बातचीत के लिए एक स्थान प्रदान किया। इसकी सदस्यता ब्रिक्स और जी7 तक फैली हुई है, और इसमें नाटो और यूरोपीय संघ देशों के प्रतिनिधि शामिल हैं। जयशंकर ने एक शानदार व्याख्या में बताया कि भारत ष्पश्चिम विरोधी नहीं बल्कि गैर–पश्चिमष है और पुष्टि की कि अमेरिका और यूरोप के साथ भारत के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने चर्चाओं और बैठकों की प्रक्रिया के माध्यम से ब्रिक्स में भारत की सकारात्मक भूमिका और जी7 के जी20 में विस्तार में देश के योगदान पर प्रकाश डाला और भारत को विश्व शांति और आर्थिक विकास में मदद करने वाली एक प्रमुख स्वतंत्र शक्ति के रूप में पेश करने में सफल रहे। उन्होंने चीनी विदेश मंत्री के साथ अलग से बातचीत की और पश्चिम एशिया, यूक्रेन और भारत–प्रशांत की स्थिति की समीक्षा के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन के साथ अलग से व्यापक चर्चा की। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन ने पुष्टि की कि भारत की भागीदारी को दुनिया ने महत्वपूर्ण महत्व के रूप में स्वीकार किया है और इससे आम चुनौतियों का समाधान करने और पारस्परिक लाभ उठाने के लिए भारत और अमेरिका के सहयोगात्मक प्रयास का लाभ उठाने के लिए साझा दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिली है। आज के असुरक्षित विश्व वातावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था के असमान प्रक्षेपवक्र में, भारत तेजी से विकास दर्ज कर रहा है, रक्षा और सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और भारत की सभ्यतागत ताकत के आधार पर भारतीयों के बीच राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा दे रहा है जो एकजुट होने के बजाय एकजुट होती है। लोगों को बांटता है. भारत और अमेरिका, दुनिया के दो सबसे बड़े परीक्षण किए गए लोकतंत्र, ऐसे समय में शनियम–आधारित व्यवस्थाश को बचाने के लिए मिलकर काम करने के महत्व को समझते हैं जब मार्क्सवादी तानाशाही और श्कट्टरपंथीश व्यवस्था की ताकतें दुनिया को अस्थिर करने के लिए हाथ मिला रही हैं। चीन और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक गठबंधन अब उस बिंदु तक विकसित हो गया है जहां ये दोनों विरोधी भारत के खिलाफ गुप्त अभियान चलाने में सहयोग कर रहे हैं, खासकर जम्मू–कश्मीर और पंजाब के सीमावर्ती राज्यों में, जो भारत के लिए एक प्रमुख सुरक्षा खतरा है और भारत को मजबूत करने की भारत की नीति को मान्य करता है। –अमेरिकी संबंध आम तौर पर और क्वाड के साथ अपने सहयोग को आगे बढ़ा रहे हैं। इस्लामी दुनिया में कट्टरपंथ के प्रसार से उत्पन्न आतंकवाद एक और आम चिंता है जो इस नए वैश्विक खतरे के खिलाफ लोकतांत्रिक दुनिया का नेतृत्व करने में भारत और अमेरिका को एक साथ बांधती है। भारत के सामने एक महत्वपूर्ण कार्य अमेरिका के नीति निर्माताओं को पाकिस्तान को बिना काले चश्मे के देखना और पेंटागन की पाक जनरलों के प्रति प्रतिबद्धता की विरासत से उबरना है।

# उच्चतम स्तर पर भ्रष्टाचार

आदित्य

हंगरी के प्रधान मंत्री, विक्टर ओर्बन, 2010 में सत्ता हासिल करने के बाद से अपने करियर के सबसे बड़े घोटाले का सामना कर रहे हैं। घोटाले की प्रकृति – इसमें सरकार के उच्चतम स्तर पर भ्रष्टाचार के साथ–साथ सबसे घृणित मानव अपराध भी शामिल है। बच्चों का यौन शोषण – किसी भी सामान्य लोकतांत्रिक नेता को बर्बाद कर देगा। लेकिन ओर्बन शायद ही कोई सामान्य लोकतांत्रिक नेता हों। प्रधान मंत्री के रूप में, ओर्बन ने खुले तौर पर लोकतांत्रिक समाज के बुनियादी ढांचे को सावधानीपूर्वक छीन लिया है। जिस तरह से वह काफी हद तक अछूते रहे हैं उससे पता चलता है कि उनकी इंजीनियरिंग ने हंगरी की लोकतांत्रिक नींव में कितनी गहराई तक प्रवेश किया है। फरवरी में, पत्रकारों ने खुलासा किया कि ओर्बन के कुछ निकटतम राजनीतिक सहयोगियों ने एक दशक से अधिक समय तक केल्विनिस्ट अनाथालय में बच्चों के यौन शोषण को कवर करने में अपने वरिष्ठ की मदद करने के दोषी एक व्यक्ति को माफ कर दिया था। क्षमादान ने उस व्यक्ति की सजा कम कर दी और उसका आपराधिक रिकॉर्ड साफ कर दिया। क्षमादान से संबंधित विवरण अज्ञात हैं क्योंकि मीडिया तंत्र, जो बड़े पैमाने पर ओर्बन द्वारा नियंत्रित है, इस घोटाले से बच गया है। इस बीच, क्षमादान जारी करने वाले राष्ट्रपति कैटलिन नोवाक और इस पर हस्ताक्षर करने वाले न्याय मंत्री जूडिट वर्गा, दोनों ने घोटाले के कारण इस्तीफा दे दिया है। यह पिछले दशक का सबसे बड़ा हंगेरियन राजनीतिक घोटाला होने के बावजूद, इसका सीधे ओर्बन पर असर पड़ने की संभावना नहीं है, जो इस घोटाले के खामियाजा से बचने के लिए कई परिचित रणनीति का उपयोग कर रहे हैं – बलि के बकरे पर दोष मढ़ना, उन संस्थानों की मिलीभगत को शामिल करना जिन्हें उन्होंने समर्थन देने के लिए इंजीनियर किया है उन पर, और जहां भी संभव हो विपक्ष पर उंगलियां उठाना। इस घोटाले ने ओर्बन के पारिवारिक मूल्यों मंच के पाखंड को उजागर किया है, जो नियमित रूप से अपने विरोधियों पर यौन विचलन का आरोप लगाता है और विचित्र लोगों पर पीडोफाइल के रूप में हमला करता है। पीडोफिलिया के खिलाफ युद्ध एक दशक से भी अधिक समय से ओर्बन के संदेश के मूल में रहा है, अक्सर ऐसे कानूनों के साथ जो अजीब नागरिक स्वतंत्रताओं को कम करने के साथ–साथ चलते हैं। क्षमादान अप्रैल 2023 में वापस चला जाता है, जब नोवाक ने पोप फ्रांसिस की हंगरी यात्रा को चिह्नित करने के लिए कई राष्ट्रपति क्षमादान दिए थे। अन्य क्षमादानों में दोषी आतंकवादी और सुदूर–दक्षिणपंथी कार्यकर्ता, ग्योर्गी बुडाहाजी शामिल हैं, जो आत्मविश्वास से घोड़े पर सवार होकर जेल से बाहर निकले (हंगेरियन राष्ट्रवाद का विशेष रूप से सूक्ष्म प्रतीक नहीं)। इस घोटाले में ओर्बन के सबसे करीबी सहयोगी शामिल हैं। नोवाक, एक समय में, ओर्बन के परिवार, युवा और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के राज्य मंत्री थे, जबकि वर्गा जून में आगामी यूरोपीय चुनावों में हंगरी के श्इलिबरलश अभियान का नेतृत्व करने के लिए तैयार थे। ले मोंडे के 2022 के एक लेख में वर्गा और नोवाक को श्प्रधानमंत्री के पुरुष दायरे में आने वालीष एकमात्र दो महिलाओं के रूप में वर्णित किया गया है। ओर्बन इस घोटाले के बारे में अस्वाभाविक रूप से चुप्पी साधे हुए हैं, जिससे उनके अधीनस्थों को पूरी तरह से दोषी ठहराया जा सकता है। घोटाला उजागर होने के बाद से उन्होंने सार्वजनिक रूप से नोवाक से खुद को दूर कर लिया है, जिन्हें उन्होंने केवल ष्मैडम प्रेसिडेंटष कहा है। उन्होंने भविष्य में इस तरह की माफी को रोकने के लिए हंगरी के संविधान में तुरंत बदलाव का प्रस्ताव रखा, और पीडोफाइल अपराधियों पर ष्कोई दया नहींष दिखाने की कसम

खाई। चूंकि उनकी पार्टी, फिडेज, संसद में दो–तिहाई से अधिक बहुमत को नियंत्रित करती है, ओर्बन की पार्टी अक्सर सार्थक चुनौती के बिना संवैधानिक संशोधन पारित करती है। खुद को पारिवारिक मूल्यों के रक्षक के रूप में चित्रित करके और यह दावा करके कि इस सांस्कृतिक लड़ाई में हंगरी के बच्चों का भाग्य ष्पीडोफाइलष से सुरक्षित रहना दांव पर है, ओर्बन लोकतंत्र पर अनगिनत हमलों से बच गए हैं। हजारों की संख्या में लोग विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं, उनके हाथों में तख्तियां हैं जिनमें ओर्बन के खिलाफ उनकी भाषा का इस्तेमाल किया गया है। ओर्बन के समाजवादी पूर्ववर्ती फेरेंक ग्युरस्कैनी, जिन्हें अपने ही घोटाले के बाद इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था और अब सामाजिक–उदारवादी डेमोक्रेटिक गठबंधन पार्टी के नेता हैं, ने ओर्बन को हंगरी का पहला पीडा `फाइल–फ्रेंडली प्रधान मंत्री कहा है।

# दो साल बाद यूक्रेन पहेली और अधिक धुंधली हो गई

रवि

लंबे युद्ध आमतौर पर अमेरिकी शब्द है क्योंकि अमेरिका अक्सर उनमें उलझा रहता हैय वियतनाम, बाल्कन, अफगानिस्तान और इराक सभी दिमाग में आते हैं। हालाँकि, इन सभी युद्धों में अमेरिका सीधे तौर पर जमीन पर लड़ रहे अपने सैनिकों के साथ शामिल था। इसका संघर्षों को आकार देने वाले विभिन्न कारकों पर नियंत्रण था और यह वास्तविक समय में निर्णय ले सकता था। यूक्रेन में कहानी अलग है. अमेरिका छद्म रूप से युद्ध लड़ रहा है, नाटो का नेतृत्व कर रहा है, जिसका अनिवार्य रूप से मतलब है कि वह अपने सैनिकों को जमीन पर उतारे बिना यूक्रेन को नैतिक और भौतिक समर्थन दे रहा है। अनिश्चितता उन कारकों में से एक है जो लंबे युद्धों की विशेषता है क्योंकि घटनाओं पर नियंत्रण और लंबी अवधि में निर्णयों का प्रभाव धूसर रहता है। किसी निर्णय के दूसरे और तीसरे क्रम के प्रभाव प्रकट होने में अधिक समय लेते हैं और कई अन्य अप्रत्याशित कारकों से प्रभावित होते हैं। यूक्रेन में रूस के युद्ध में बिल्कुल यही हो रहा है, जहां, सबसे पहले, अधिकांश सैन्य–उन्मुख पर्यवेक्षकों ने रूसी सेना के लिए एक त्वरित जीत की भविष्यवाणी की थी, जिसे स्मृति से, कुशल, अनुशासित, अच्छी तरह से प्रशिक्षित और पर्याप्त रूप से सुसज्जित माना जाता था। दो क्षेत्रों में धारणाएँ तुरंत गलत हो गईं। सबसे पहले, रूसी सेना ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया। दूसरा, अमेरिका और यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों का रूसी अर्थव्यवस्था पर नगण्य प्रभाव पड़ा। इस प्रकार रूस ईरान, उत्तर कोरिया और कुछ हद तक चीन से युद्ध संसाधन जुटाते समय अपनी सैन्य रणनीति और प्रदर्शन का जायजा ले सकता हैय हालाँकि बाद वाले ने रूस को ऐसे संसाधन भेजने से काफी सख्ती से इनकार किया है। आर्थिक दृष्टिकोण से, चीन, भारत और कई अन्य देशों ने रूस से नई शर्तों पर तेल खरीदना जारी रखा। इस प्रकार, रूसी वित्तीय प्रणाली को अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली से अलग करने से रूस पर एक सीमा से अधिक प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। अनिश्चितता कई गुना बढ़ गई क्योंकि हालाँकि वे शुरू में यूक्रेन पर थोपे गए युद्ध से लड़ने के लिए भौतिक संसाधन उपलब्ध कराने में उदार थे, लेकिन वे लंबे समय तक ऐसा करना जारी रखने की आवश्यकता को समझने में विफल रहे। किसी को उम्मीद नहीं थी कि युद्ध इतना लंबा खिंचेगा. किसी ने भी व्लादिमीर पुतिन की टिके रहने की क्षमता पर विचार नहीं किया। उन्हें रूस में तख्तापलट या बातचीत के माध्यम से युद्ध–पूर्व स्थिति में वापसी की उम्मीद थी। परिणामस्वरूप, गोला–बारूद, मिसाइल, टैंक और पैदल सेना के लड़ाकू वाहनों का उत्पादन करने वाली फैक्ट्रियां सुदृढीकरण के साथ अपनी प्रारंभिक आपूर्ति का समर्थन करने के लिए युद्धकालीन मोड में नहीं गईं। यूक्रेन को अमेरिका के माध्यम से 364 मिलियन डॉलर मूल्य के गोला–बारूद, मिसाइल, तोपखाने के गोले और कुछ छोटे हथियारों की आपूर्ति के लिए पाकिस्तान पर निर्भर रहना पड़ा। रूस, अपनी प्रारंभिक विफलताओं के बाद, युद्धाभ्यास के बिना निर्मित क्षेत्रों के खिलाफ तोपखाने और सटीक मिसाइलों को नियोजित करने में उदार रहा है। ईरान और उत्तर कोरिया ने रूस को अपने शस्त्रागार को फिर से भरने में मदद की है। दोनों देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं में सुधार करने और रूस को इन बिक्री से दीर्घकालिक राजनीतिक पूंजी हासिल करने के लिए तत्पर हैं। यह युद्ध की प्रकृति है जिसने इसे और भी अप्रत्याशित और अनिश्चित बना दिया है। रूस द्वारा अपनाई गई रणनीति इतनी व्यापक जगह बनाने की रही है ताकि उसकी अब तक की लकड़हारा और लगभग गतिहीन मशीनीकृत सेनाएं एक गहरे युद्धाभ्यास को अंजाम दे सकें, जिसका यूक्रेनी सेनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसने कुछ शहरों में स्थितिगत लड़ाई लड़कर सफलता के लिए अंतराल को चौड़ा करने की कोशिश की है। निर्मित क्षेत्रों में लड़ना यहां सबसे कठिन परिचालन विकल्पों में से एक है। इसमें किसी भी आत्मसमर्पण से पहले भारी विनाश शामिल है। यहां के मुख्य हथियार तोपखाने और सटीक मिसाइल फायर हैंय कम दूरी पर इसकी भेद्यता और युद्धाभ्यास के लिए जगह की कमी के कारण कवच का उपयोग झिझक के साथ किया जाता है। इस क्षेत्र में नया प्रवेशकर्ता सशस्त्र ड्रोन है जिसके विन्यास में विभिन्नता हो सकती है और यदि कवच और यहां तक कि तोपखाने और पैदल सेना की स्थिति के खिलाफ शीर्ष हमले के हथियारों के साथ झुंड में नियोजित किया जाता है तो यह घातक होता हैय सटीकता परिशुद्धता जैसी है। ऐसे आक्रामक और जवाबी हमले हुए हैं जो रक्षात्मक मुद्राओं को परेशान करने के लिए आवश्यक घुसपैठ करने में विफल रहे हैं। जमीन आधारित मिसाइल प्रणालियों के प्रभावी होने के कारण वायु शक्ति तुलनात्मक रूप से कम महत्वपूर्ण रही हैय कुछ विशिष्ट लड़ाइयों को छोड़कर किसी भी पक्ष द्वारा हवाई श्रेष्ठता स्थापित नहीं की गई है। हालाँकि युद्ध के मैदान से प्राप्त रिपोर्टें पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं हैं, लेकिन प्रभाव और सूचना युद्ध के कोण से छेड़छाड़ की जा रही है, लेकिन यह स्पष्ट प्रतीत होता है।

# किंग जब कैंसर से लड़ रहे थे तो यूके ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया

ललित

बिना रॉयल्टी के मीडिया क्या करेगा? इन दिनों उनकी अनुपस्थिति को उनकी उपस्थिति की तुलना में अधिक कवरेज मिल रही है – और शायद यह हमें उनके बिना भविष्य के लिए तैयार कर रहा है? या शायद नहीं – क्योंकि जब वे वहां नहीं होते तब भी मीडिया उनकी अनुपस्थिति को अटकलों से भर देता है कि उनके साथ क्या हुआ होगा! और फिर – जैसे कि तस्वीरों, वृत्तचित्रों आदि में उनकी उपस्थितिध अनुपस्थिति पर्याप्त नहीं है – हमारे पास लंबे समय तक चलने वाली टेलीविजन श्रृंखलाएं भी हैं जो उनके जीवन को दोहराने की कोशिश करती हैं, एक और दुनिया का निर्माण करती हैं जहां वे मौजूद हैं। क्या यह एक बैसाखी है जिसकी अंग्रेजों को जरूरत है – या यह कुछ ऐसा है जब मीडिया कुछ और ष्मसालाष चाहता है तो वह इसका सहारा लेता है। भारत में हमने अपने राजघराने से छुटकारा पा लिया और फिर उनके महलों पर कब्जा कर लिया और उन्हें संग्रहालयों और होटलों में बना दिया – और अब राजनीतिक नेताओं या विरासत प्रेमियों के रूप में उनकी कभी–कभार उपस्थिति के अलावा – हम उन्हें मुश्किल से देखते हैं। लेकिन ब्रिटेन में ब्रितानियों के लिए, रॉयल्स की उपस्थिति लगातार बढ़ती जा रही है। वे उस समय की भी याद दिलाते हैं जब ब्रितानियों ने दुनिया पर शासन किया था – और वास्तव में, प्रतीकात्मक रूप से, ऑस्ट्रेलिया जैसे स्वतंत्र देश अभी भी उस निष्ठा को बनाए रखते हैं। तो यह सेलिब्रिटी पंथ से परे है और स्थायी शक्ति के बारे में भी है – और राजनीतिक महत्वरू रॉयल्टी की दक्षिणपंथी सराहना बनी रहती है और जीतती है, सुनहरे वैभव और सुंदर चित्रों के साथ दिल और दिमाग जीतती है! इस प्रकार किसी भी शासक राजघराने को वास्तव में गुमनामी में जाने की अनुमति नहीं है, न ही वे दुष्ट या दुर्व्यवहार कर सकते हैं – क्योंकि तब हम पता लगाएंगे और न केवल उन्हें फटकारेंगे – बल्कि खोजी पत्रकारिता के माध्यम से उस अपमानजनक क्षण को लगातार याद भी करेंगे। यही एकमात्र कीमत है जो उन्हें चुकानी होगी। हम उन्हें एक आसन पर बिठाते हैं, उन्हें महलों में अप्राकृतिक जीवन जीने की अनुमति देते हैं – और तब स्पष्ट रूप से आश्चर्यचकित हो जाते हैं जब वे सोने के पिंजरे की सलाखों को हिलाते हैं। इसके बाद, हम यह पता लगाने में कई साल और बहुत पैसा खर्च करते हैं कि उन्होंने दुर्व्यवहार क्यों किया – वास्तव में अगर राजकुमारी डायना के बारे में एक और वृत्तचित्रधफिल्मधारावाहिक है जो उनके बारे में ताजा सामग्री को उजागर करता है तो हमें आश्चर्यचकित नहीं होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि टैब्लॉयड के लिए, कम से कम, शाही परिवार से बेहतर कोई जगह नहीं है। लेकिन हाल ही में खबरों में मुख्य रूप से राजघरानों की आभासी उपस्थिति रही है, बीमारी के कारण – विशेष रूप से राजा चार्ल्स ष्ष की। जिस बीमारी से कई पुरुष पीड़ित हैं, उसके लिए इस स्तर का कवरेज होना अनसुना है – लेकिन यह डिजिटल युग की भी बात करता है। यदि वह शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हो सका तो अब हम लगातार उसकी ष्आभासी उपस्थितिष की प्रतीक्षा कर सकते हैं क्योंकि वह हजारों ष्जल्द ठीक हो जाओष कार्ड खोलता है। ज्यादा समय नहीं लगेगा जब हमारे पास एआई जनित शाही बालकनी से लगातार हमारी ओर लहराते एक खुशहाल शाही परिवार की एआई जनित छवियां होंगी। शायद वो पड़ाव दूर नहीं.... किंग चार्ल्स राजा के रूप में बिल्कुल नए हैं – और वह उन दिनों में अलोकप्रिय थे जब 25 से अधिक वर्ष पहले राजकुमारी डायना की मृत्यु हुई थी। उन्हें सिंहासन पर बैठने के लिए अपने सत्तर के दशक तक इंतजार करना पड़ा और उन्हें एक गंभीर छवि बदलाव की आवश्यकता थी। राजकुमारी डायना से विवाह के दौरान रानी कैमिला के साथ उनके रिश्ते का मतलब यह था कि कैमिला को भी एक अच्छे इंसान के रूप में फिर से तैयार होना पड़ा। लेकिन उनकी खराब सेहत की खबर ने सब कुछ बदल कर रख दिया है. कैंसर एक ऐसी चीज है जिससे लोग परिचित हैं क्योंकि वे अपने दोस्तों या रिश्तेदारों में से किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो इसी तरह की स्थिति में हो सकता है। यह गंभीर है लेकिन उतना खतरनाक नहीं है जितना पहले हुआ करता था। तो हाँ, शुभकामनाओं वाले पत्रों की बाढ़ सम्राट के पास आ गई। उन्होंने बहादुरी से वादा किया है कि वह अपने आधिकारिक कर्तव्यों को नहीं छोड़ेंगे जैसे कि उनके लाल बक्सों को पढ़ना, जिनमें आधिकारिक समाचार और हस्ताक्षर करने के लिए कागजात होते हैं! उन्हें प्रधानमंत्री और उनकी प्रिवी काउंसिल से भी मिलना है. इसलिए वह लंदन और बाल्मोरल के बीच हेलीकॉप्टर से यात्रा करते हैं। यह सब रानी कैमिला के लिए एक बोनस रहा है। उसने चार्ल्स की बीमारी के प्रति सहानुभूति प्राप्त की है – लेकिन उसकी अनुपस्थिति में उसे आगे आना पड़ा और सम्मान देना पड़ा और अकेले ही समारोहों में दिखना पड़ा। जैसे कि यह पर्याप्त नहीं था, वेल्स की राजकुमारी केट को कुछ महीने पहले कुछ ऑपरेशन करना पड़ा था, जो गोपनीयता में डूबा हुआ है। इससे इंटरनेट पर उसे मिलने वाली कवरेज दोगुनी हो गई है – जहां उसके श्प्रेरित कोमाष आदि में होने की अटकलें तेज हो गई हैं, जिसका उसकी मीडिया टीम द्वारा खंडन किया जा रहा है। अन्य राजघरानों के विपरीत – वह अभी भी युवा और ग्लैमरस है। इंटरनेट पर उनके फॉलोअर्स की संख्या लाखों में है। जैसे ही वह फैशन टोन सेट करती है, वह जो पहनती है वह अलमारियों से उड़ जाता है, और इसलिए उसकी अनुपस्थिति का व्यावसायिक प्रभाव भी पड़ता है। अब जनता को और अधिक चिंतित होना पड़ेगा – क्योंकि वह अप्रैल से पहले सामने नहीं आएंगी... हाल ही में जब प्रिंस विलियम व्यक्तिगत कारणों से एक समारोह में शामिल नहीं हुए तो बड़े पैमाने पर अलार्म फैल गया।

# तीन गुण जो भविष्य के नेताओं को आकार देने चाहिए

विनोद

इस समय प्रमुख चुनौतियों में से एक देश के लिए कल का नेता तैयार करना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई दशकों की नीति और सुधारों की बदौलत भारत एक रोमांचक मोड़ पर है। यह समय टाटा समूह के बाजार पूंजीकरण के पाकिस्तान की जीडीपी से अधिक हो जाने संबंधी हालिया समाचार जैसी विकर्षणों से बचने का है। सच है, लेकिन क्या? आखष्रिकार, केवल दो अमेरिकी कंपनियों, माइक्रोसॉफ्ट और एनवीडिया का संयुक्त बाजार पूंजीकरण, भारत की जीडीपी से अधिक है! भारतीय कंपनियों के लिए इस समय प्रमुख चुनौतियों में से एक देश के लिए श्कल का नेताश तैयार करना है। मैं हर साल लगभग 7,500 युवा लोगों से आमने–सामने बात करता हूं और जूम और सोशल मीडिया के माध्यम से अन्य 10,000 लोगों से जुड़ता हूं। मुझे मिलने वाली प्रतिक्रिया, आलोचना और टिप्पणियाँ आगे के लेखन और चर्चा के लिए विषयों को निर्धारित करने में बहुत सहायक होती हैं। मुझसे अक्सर पूछा जाता है, ष्भविष्य के नेता पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकियों का क्या प्रभाव है?ष मैं प्रौद्योगिकी पर कोई विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन जब मैं युवा था तो नेतृत्व के दृष्टिकोण कैसे श्अतीतश बन गए, और कैसे नए विचारों ने श्भविष्यश के नेतृत्व को आकार दिया, इससे मुझे श्कल के नेताश के बारे में एक वास्तविक दृष्टिकोण पेश करने में मदद मिली। नेतृत्व सभी क्षेत्रों में मौजूद है – शैक्षणिक, राजनीतिक, सार्वजनिक सेवा, रक्षा, उद्यम (जो मेरे अनुभव का क्षेत्र है), और कई अन्य। यद्यपि कोई डोमेन के आधार पर कौशल को काट और पासा कर सकता है, यह पता लगाना शिक्षाप्रद है कि सिकंदर महान के समय से लेकर आधुनिक समय तक, समय या डोमेन की परवाह किए बिना क्या सामान्य रहा है – तथाकथित शाश्वत सिद्धांत। सदियों से सफल नेताओं ने तीन महत्वपूर्ण क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। सबसे पहले, जो सिखाया जा सकता है उसे सीखने की क्षमता – सभी सिखाने योग्य चीजें। सिकंदर ने टॉलेमी और अरस्तू से शिक्षा प्राप्त की। मैं इसे संज्ञानात्मक क्षमता कहता हूं। दूसरा, समाज और प्रौद्योगिकी में परिवर्तनों पर नजर रखने की जिज्ञासा और प्रवृत्ति, और तात्कालिक समय के लिए जो प्रासंगिक है उसे जानने की प्रवृत्ति। मैं इसे अनुकूली क्षमता कहता हूं। तीसरा, लोगों के रिश्तों और मानव व्यवहार की अनियमितताओं के प्रति संवेदनशीलता और सहानुभूति। मैं इसे व्यवहारिक क्षमता कहता हूं। इन तीन क्षमताओं का गुलदस्ता किसी व्यक्ति की नेतृत्व शैली और इससे भी महत्वपूर्ण बात, नेतृत्व प्रभावशीलता को प्रभावित करता है। यह मॉडल मेरे अनुभव से पैदा हुआ है, और सभी क्षेत्रों में प्रासंगिक है। शिक्षण क्षमता और डोमेन–विशिष्ट अनुभूति से संबंधित पहली क्षमता को इस तरह के कॉलम में सामान्यीकृत नहीं किया जाना चाहिए। रक्षा क्षेत्र के लोगों को रक्षा या सैन्य अकादमी में प्रशिक्षित किया जाता है, उद्यम के लोगों को प्रबंधन संस्थानों में प्रशिक्षित किया जाता है, और अकादमिक लोगों को शिक्षण और अनुसंधान संस्थानों में प्रशिक्षित किया जाता है। कैरियर के पहले एक–तिहाई के दौरान, डोमेन की परवाह किए बिना, जो चीज उन्नति को गति देती है वह है संज्ञानात्मक क्षमता का प्रदर्शन। बॉस युवा अधिकारियों के बारे में अच्छा सोचते हैं, जो जल्दी सीखते हैं और संस्थान के लाभ के लिए अपनी सीख को लागू करते हैं। मुझे याद है कि अपने स्वयं के करियर के पहले तीसरे भाग में, मैं एक त्वरित शिक्षार्थी था और कंप्यूटर –संचालित दृष्टिकोण और प्रबंधन समस्याओं के समाधान में मात्रात्मक विश्लेषण के उपयोग का समर्थक था। मुझे लगता है कि मेरे करियर के उस चरण में उन्होंने मेरी अच्छी सेवा की। अपने करियर के दूसरे एक–तिहाई हिस्से में, मैंने पाया कि पिछले चरण के कौशल के साथ बहुत अधिक संपर्क खोए बिना नए कौशल (मेरे मामले में, ब्रांडिंग और बाजार प्रबंधन) सीखना महत्वपूर्ण था। याद रखें कि मेनफ्रेम डेस्कटॉप और बाद में लैपटॉप और

हैंड–हेल्ड का स्थान ले रहे थे। व्यवहारिक क्षमता को फिर से प्रोग्राम करने की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी क्योंकि अब मेरे पास एक टीम थी, भले ही छोटी, मुझे रिपोर्ट कर रही थी। सीखते रहने की प्रेरणा किसी न किसी स्तर पर खघ्त्म हो जाती है। चूंकि मध्य स्तर के नेता वरिष्ठ स्तर की जिम्मेदारियों के लिए खुद को तैनात करते हैं, इसलिए उन्हें अपने नेतृत्व, अनुकूली और व्यवहारिक क्षमताओं को अनुकूलित करने और शामिल करने के लिए जल्दी होना चाहिए। भविष्य के कॉलमों में, इन्हें और अधिक विस्तार से खोजा जाएगा, लेकिन, फिलहाल, मैं केवल एक विहंगम दृश्य प्रस्तुत कर सकता हूं। करियर के अंतिम एक–तिहाई में, व्यवहारिक क्षमता में निपुणता और तैनाती सर्वोपरि होती है। तब हम वही सीखते हैं जो हर पेशेवर उस स्तर पर सीखता है, यानी, सर आइजैक न्यूटन ने जो कहा था, उसे संक्षेप में कहें तो, मानव व्यवहार की भविष्यवाणी करने की तुलना में सितारों की गति की भविष्यवाणी करना आसान है। जब हम ऐसे लोगों का जिक्र करते हैं जो श्समय के साथ नहींश हैं, तो हम उम्र को एक मोटे संकेतक के रूप में उपयोग करते हैं, लेकिन हमारा वास्तव में मतलब यह है कि उनकी अनुकूलन औरध्या व्यवहार संबंधी क्षमताएं क्षीण हो गई हैं। अनुकूली अनुकूलन पर विचार करें. एक व्यक्ति जो एक उत्कृष्ट प्रिंट पत्रकार रहा है।

# सीएसआईआर-सीडीआरआई में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2024 समारोह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की एक प्रतिष्ठित संस्थान, केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) लखनऊ में, पूरे मार्च माह में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लैंगिक समानता, समता एवं एक समावेशी समाज को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता

के साथ, सीडीआरआई ने महिलाओं को सशक्त बनाने और जीवन के सभी क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए उन्हें बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान मे विभिन्न कार्यक्रम की श्रृंखला शुरू की है।

लैंगिक समानता, सम्मान एवं सशक्तिकरण को बनाए रखने के लिए प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्व भर मे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम, ष्महिलाओं पर निवेशरू विकास में गतिष् (इन्वेस्ट इन विमनरू एक्सिलरेट प्रोग्रैस) के आधार पर महिलाओं की उपलब्धियों एवं योगदान का पहचान देते हुए समानता, सम्मान एवं सशक्तिकरण की भावना के साथ उत्साहपूर्वक मनाने के लिए सीडीआरआई ने मार्च का पूरा महीना समर्पित किया है।

एक माह तक चलने वाला यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए लोगो डिजाइन की प्रतियोगिता के साथ शुरू हुआ। अपने बहुआयामी दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में, सीडीआरआई पूरे महीने विविध प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करेगा। इनमें मौज–मस्ती, फिटनेस और शानदार कंपनी के आदर्श वाक्य के साथ एक कैंपस रन शामिल है, जिसे शारीरिक फिटनेस को अपनाने एवं दृढ़ संकल्प के साथ शैक्षणिक आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के साथ साथ समानता, सम्मान एवं सशक्तिकरण के लिए एक केम्पस रन का आज आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त इस माह के दौरान अन्य कार्यक्रमों में, सीडीआरआई के छात्र और कर्मचारी एक नुक्कड़ नाटक का मंचन करेंगे, जिसमें समकालीन समाज में महिलाओं की चुनौतियों और जीत को उजागर करने वाली मार्मिक कथाएँ प्रदर्शित की जाएंगी। इसके अलावा, एक कला प्रदर्शनी होगी जिसमे महत्वाकांक्षी कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने और लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर अपने अद्वितीय दृष्टिकोण व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया है। इनोवेटिव टॉक्स जिसे डॉ. सौम्या स्वामीनाथन संबोधित करने वाली हैं, एवं पैनल डिस्कशन भी इस आयोजन का हिस्सा होंगे।

इसी तत्वाधान में सीडीआरआई की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने आज कैंपस रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया और इस महीने भर चलने वाले उत्सव में संस्थान के कार्यबल के बीच समानता और समता लाने के संस्थान के प्रयास के बारे में जानकारी दी। और यह भी बताया कि कैसे आधी आबादी पर किया इनवेस्टमेंट संस्थान की प्रगति के साथ–साथ राष्ट्र की प्रगति में भी तेजी लाएगा।

अपने आंतरिक कार्यक्रमों से इतर, सीएसआईआर–सीडीआरआई महिलाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्रीय विकास प्रयासों में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ है। संस्थान, एसटीईएम (विज्ञान गणित, इंजीनियरिंग एवं मैथ्स) क्षेत्र की लड़कियों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। संस्थान को कार्यस्थल में लैंगिक समानता और इक्विटी को बढ़ावा देने के लिए डीएसटी–जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ इंस्टीट्यूट (जीएटीआई) कार्यक्रम को लागू करने के लिए संस्थान श्रेणी में पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अन्य वैज्ञानिकों में डॉ. रितु त्रिवेदी, डॉ. नम्रता रस्तोगी, डॉ. संजीव यादव एवं प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती रश्मी राठौर ने भी अपने विचार साझा किये। लोगो प्रतियोगिता की विजेता माधवी राणावत ने अपने डिजाइन किए हुए लोगो की थीम के बारे में भी बताया।

जैसा कि दुनिया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाती है, सीएसआईआर–सीडीआरआई हर जगह महिलाओं के अधिकारों और आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि करता है। समानता, सम्मान और सशक्तिकरण के माहौल को बढ़ावा देकर, सीडीआरआई लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय का समर्थन करता है।

# शिव सत्संग मण्डल आश्रम पर महाशिवरात्रि में जुटेगी भक्तों की भीड़

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) शिव सत्संग मण्डल का महाशिवरात्रि महोत्सव 08 मार्च शुक्रवार को शाम 8:30 बजे से ग्राम हुसेनापुर धौकल (मियांपुर) स्थित आश्रम पर आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए मण्डल के राष्ट्रीय महामंत्री त्रिपुरेश पाण्डेय ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व को लेकर तैयारियां पूरी हो गई हैं। इसके तहत सिद्धनाथ बाबा मंदिर की साफ–सफाई का कार्य पूर्ण हो गया है।भक्तों,श्रद्धालुओं,आस्थावानों की आस्था के प्रतीक आश्रम के शिवालय में महाशिवरात्रि पर शिवभक्तों की भीड़ उमड़ती है। जनपद के अलावा गैर जनपदों के शिवभक्त भी महादेव के दर पर मत्था टेकने आते हैं। जिला मुख्यालय से गंगाजल लेकर 22 किमी की दूरी पैदल तय करके शिवभक्त मंदिर व आश्रम में पहुंचते हैं। वहीं महाशिवरात्रि पर होने वाले महाशिवरात्रि महोत्सव में सत्संगी जन सपरिवार पहुंचते हैं। विधि–विधान से महादेव का पूजन करके बाद में लोग पूरी रात जागकर भजन प्रवचन का आनंद उठाते हैं। महाशिवरात्रि पर शिवालय को आकर्षक तरीके से सजाया जाता है। यहां विभिन्न जनपदों के अलावा सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से भी श्रद्धालु आते हैं।

श्रद्धालुओं का विश्वास है कि आश्रम के शिवलिंग पर जल चढ़ाने से बड़ी आत्मिक संतुष्टि मिलती है। मान्यता है कि सिद्धनाथ बाबा मंदिर, हुसेनापुर का निर्माण आत्मस्वरूपस्थ संत श्रीपाल ने कराया था। यह स्थल ध्यान साधना केन्द्र के नाम से भी विख्यात है।

# एमपी एमएलए कोर्ट ने सांसद धनंजय सिंह को सुनाई 7 वर्ष की कारावास, 75000 का लगाया जुर्माना

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एमपी एमएलए कोर्ट ने जौनपुर जिले के पूर्व बाहुबली सांसद धनंजय सिंह को जौनपुर लाइन बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत के 10 मई 2020 को हुए नमामि गंगे परियोजना के तहत जनपद में चल रहे कार्य के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल के अपहरण व रंगदारी के मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह व संतोष विक्रम को अपर सत्र न्यायाधीश शरद त्रिपाठी ने मंगलवार को दोषी करार दिया था और धनन्जय सिंह को कोर्ट ने पुलिस अभीरक्षा में लेते हुए जेल भेज दिया था। बुधवार को सुनवाई करते हुए विद्वान न्यायाधीश ने गवाहों और तमाम साक्ष्यों के आधार पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह को 7 वर्ष की कारावास और 75000 के दंड से दंडित किया है।

नमामि गंगे प्रोजेक्ट के मैनेजर अभिनव सिंघल ने लाइन बाजार थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया था कि 10 मई 2020 को विक्रम और उसके सहयोगियों द्वारा उसका अपहरण करके धनंजय सिंह के आवास पर ले जाया गया। जहां धनंजय ने पिस्टल निकाल कर धमकाया।रंगदारी मांगा आरोपियों ने जबरन गिट्टी बालू की आपूर्ति के लिए दबाव डालते हुए धमकी दिया। वादी की एफआइआर पर आरोपी गिरफ्तार हुए जेल गए बाद में वादी द्वारा अपनी तहरीर में कही गई बातों से मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए गए बयान में मुकर गया और कहा कि धनंजय व विक्रम ने न तो अपहरण कराया न रंगदारी मांगी।वादी के घटना से मुकरने का फायदा विक्रम को तो मिल गया लेकिन धनंजय सिंह से कही चूक हो गयी। सूत्रों की माने तो पहले विवेचक ने फाइनल रिपोर्ट ऑफिस

में दाखिल भी कर दी थी बाद में पुलिस के उच्च अधिकारी के आदेश से पुनः विवेचना हुई और इस बार चार्ज शीट दाखिल हुई। बुधवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ

एमपी एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश शरद कुमार त्रिपाठी ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह व उनके साथी संतोष विक्रम सिंह को सात वर्ष की सजा और 75 हजार जुर्माने की सजा सुनाई।कल पांच मार्च को कोर्ट ने धनंजय सिंह पर दोष सिद्ध करार दिया था।इस मामले में जानकारी देते हुए शासकीय अधिवक्ता सतीश कुमार पांडेय ने बताया तीन अलग अलग धाराओं में अलग अलग सजा सुनाई है एक मामले में पांच वर्ष तथा दो अन्य मामलों में एक एक वर्ष की सजा सुनाई गई है।364 आईपीसी में सात वर्ष की सजा पचास हजार का जुर्माना,386 आईपीसी में पांच साल की सजा और 25 हजार जुरमाना,504 आईपीसी में एक साल की सजा दस हजार का जुर्माना तथा 506 आईपीसी में दो वर्ष की सजा और 15 हजार का जुर्माना लगाया है।

वहीं इस मामले में धनंजय सिंह ने मीडिया से कहा कि एमपी एमएलए कोर्ट से सजा हुई है हमे माननीय कोर्ट पर पूरा भरोसा है हम हाइकोर्ट में अपील करेंगे।

वही इस मामले में धनंजय सिंह के अधिवक्ता राहुल तिवारी ने कहा कि नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल द्वारा इनके ऊपर रंगदारी अपहरण जैसे मामले में केस दर्ज कराया गया था हालांकि बाद में वह सारे गवाह और खुद वादी भी इससे मुकर गया था आज इस मामले में उन्हें 7 वर्ष की करवास 75 हजार जुर्माना की सजा हुई है। इसको लेकर हम जल्द ही 10 दिनों के अंदर उच्च न्यायालय में अपील करेंगे।

# पीयू परिसर के पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन शुरू

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने परिसर में चलने वाले समस्त पाठ्यक्रमों के लिए पूर्वांचल विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पीयूकैट) सत्र 2024–25 के लिए ऑनलाइन आवेदन विश्वविद्यालय ने जारी कर दिया है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय एमबीए सहित विभिन्न स्नातक (यूजी), डिप्लोमा और स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए टेस्ट का आयोजन करता है। इच्छुक अभ्यर्थी वीबीएसपीयू पीयूसीएटी 2024 परीक्षा के लिए आधिकारिक वेबसाइट– vbspu.ac.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन एक मार्च से शुरू हो गया है। इसकी अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2024 निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय परिसर में बीएससी, बीए, बीकाम, बीए एलएलबी आनर्स (फाइव इयर इनटीग्रेटेड कोर्स), बीए (जनसंचार, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र), बीसीए, बीबीए, बीटेक, एमएससी, एमए, एमबीए, एमसीए, एमए जनसंचार, एमटेक, डिप्लोमा इन फार्मेसी, मेकिनिकल इंजीनियरिंग, पीजी डिप्लोमा इन जेंडर वूमेन स्टडी, ट्रासलेशन के पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

# मेरे लिए पहले राष्ट्र है फिर पार्टी है - कृपा शंकर सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के सदर विधानसभा के उम्मीदवार कृपा शंकर सिंह ने बुधवार को नगर की एक होटल में पत्रकारों से अनौपचारिक रूप से बातचीत किया। उन्होंने कहा कि मुझे भारतीय जनता पार्टी ने जिस विश्वास पर अपना उम्मीदवार घोषित किया है मैं आप सभी के सहयोग से विश्वास पर पूरा खरा उतरने का प्रयास करूंगा इसमें आप सभी का सहयोग भी अपेक्षित है। मेरी प्राथमिकता केंद्र व प्रदेश सरकार की जो कार्य योजनाएं हैं उसे आम जनता पहुंचने का काम करूंगा साथ ही नितिन गडकरी जी द्वारा कहे गए उसे बात को जनपद जौनपुर के प्रत्येक गांव को स्मार्ट सिटी बनाना है उसे पर भी विशेष ध्यान दूंगा ।जनपद में जो अधूरे काम है उसे भी पूरा करने का प्रयास करूंगा। मैंने आज के 4 वर्ष पूर्व मोदी जी के द्वारा लिए गए फैसला कश्मीर से धारा 370 अनुच्छेद को हटाने को लेकर और राम मंदिर बनाने की कटीद्धता से प्रभावित होकर मैंने कांग्रेस पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी को ज्वाइन किया है। मेरे लिए पहले

राष्ट्र है फिर पार्टी है मैं देश की सेवा करने के लिए हमेशा तत्पर हूं लोकसभा चुनाव में यदि यहां से जीत होती है तो मैं नौजवानों और युवाओं का पलायन रोकने के लिए पूरी व्यवस्था करूंगा। महाराष्ट्र की तरह फैक्टरी फैक्ट्री लगाऊंगा जिससे कि युवा और नौजवान जो जनपद छोड़कर महाराष्ट्र में या अन्य जगहों पर जाकर नौकरी न करना पड़े उनका पलायन रुके। इस दौरान उनके साथ जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह समाजसेवी युवा वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ ज्ञान प्रकाश सिंह मीडिया प्रभारी अमोद सिंह जिला उपाध्यक्ष सुशील मिश्रा डीसीएफ अध्यक्ष धनंजय सिंह सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

# संडीला के मशहूर लड्डू को सांसद अशोक रावत राष्ट्रीय स्तर पर करेंगे प्रमोट

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) क्षेत्रीय भाजपा सांसद एवं भाजपा के दोबारा बनाए गए प्रत्याशी अशोक रावत ने पार्टी कार्यालय पर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पिछला चुनाव जीतने पर उन्होंनें सबसे पहले जरजर औरास रोड का निर्माण कराने के साथ साथ क्षेत्र में कई पुल और सड़कों के निर्माण स्वीकृत कराए हैं जिनपर निर्माण कार्य जारी हैं। उन्होंनें कहा कि उनका प्रयास होगा कि बरौनी क्रॉसिंग के पास अंडर पास का निर्माण कराया जाए। उन्होंनें कहा कि कि सेंट थेरेसा बाईपास पर ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य जारी है। उन्होंनें बताया कि संडीला के मशहूर लड्डू को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए वे प्रयास कर रहे हैं। इसके अलावा अयुष्मान योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले इसका भी वे प्रयास कर रहे हैं। पत्रकारो ने उनसे आयुषमन भारत की धनराशि सीमा को बढ़ाने, पांच सदस्यों की अनिवार्यता समाप्त करने, दिल्ली के लिए ट्रेन का स्टॉपेज कराने, इलेक्ट्रॉनिक बस सेवा को पुनः शुरू कराने तथा संडीला को जिला बनाने का मुद्दा भी पत्रकारों ने उठाया। जिसपर उन्होंनें संडीला को जिला बनाने के मामले में स्पष्ट मना कर दिया कि यह संभव नहीं हैं। इसी अवसर पर एमएलसी अशोक अग्रवाल ने कहा कि भाजपा सरकार ने निष्पक्ष ढंग से सभी को योजनाओं का लाभ दिया है। देश ने विगत 10 वर्षों में अभूतपूर्व तरक्की की है। भारत की अर्थव्यवस्था दसवें से पांचवे स्थान पर आ गयी है तथा मोदी जी के अगले कार्यकाल में विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगी। उन्होंनें कहा कि 5 करोड़ बेघरों को आवास, 7.5 करोड़ लोगों को शौलचाल, 55 लाख लोगों को आयुष्मान कार्ड और 10 करोड़ माताओं बहनों को उज्जवला योजना के अंतर्गत गैस सिलेंडर प्रदान किए गए हैं।

अपना हर संकल्प पूरा करती है भाजपा रू विधायक अलका सिंह अर्कवंशी

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अलका सिंह अर्कवंशी ने कहा कि उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया है। यही कारण है कि इसबार भाजपा के वोट प्रतिशत में बढ़ोत्री होने जा रही है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक रोडवेज बसें हाईवे निर्माण के कारण रोकी गयीं हैं। जैसे ही निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा वैसे ही बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा जबकि एमएलसी अशोक अग्रवाल का कहना था कि क्षेत्र में चार्जिंग प्वाइंट न होने के कारण इन बसों का संचालन बंद किया गया है। भाजपा नगर अध्यक्ष रमन नीतेश जायसवाल ने कहा कि बूथ जितना सशक्त और सामर्थ्यवान होगा, परिणाम उतना ही अनुकूल आएगा। जनता का शासन जनता के सुझावों से ही प्रारंभ होता है। भाजपा घोषणा पत्र नहीं, बल्कि संकल्प पत्र के साथ जनता के पास जाती है। इसी उद्देश्य से जनता से सुझाव प्राप्त करने का अभियान शुरू हो रहा है।

यह सपा, बसपा व कांग्रेस का स्थायी इलाज करने वाला चुनाव–– श्रीमती संतोष अस्थाना

श्रीमती संतोष अस्थाना ने कहा कि भाजपा सदैव जनता और उसके सुझावों को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करती है।

संडीला में भाजपा के 'विकसित भारत–मोदी की गारंटी' अभियान का शुभारंभ,

सांसद अशोक रावत, एमएलसी अशोक अग्रवाल ,क्षेत्रीय विधायक अलका सिंह नगर अध्यक्ष रमन श्रीमती संतोष अस्थान अतुल तिवारी आदि लोगों ने भाजपा के 'विकसित भारत–मोदी की गारंटी' का संचालन किया।विकसित भारत–मोदी की गारंटी' सुझाव पेटिका में जनता के सुझावों को एकत्र किया गया जो लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के संकल्प पत्र का आधार बनेंगे। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने संडीला में ट्रेन का स्टॉप ब संडीला को जिला बनाने की मांग संकल्प पत्र के जरिए की है। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप जायसवाल , अतुल तिवारी, सांसद प्रतिनिधि नरेन्द्र बाजपेई , अशोक त्रिपाठी, मृदुल शर्मा सांसद सचिव , छत्रपाल मौर्य, उपेंद्र सिंह भदोरिया, ऋषभ खन्ना, तथा अंगूरी शंकर सिन्हा मौजूद रहे। मंच संचालन सिद्धप्रताप मौर्य ने किया।

# एमएसएमई में शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिए हुआ मंथन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में मंगलवार को इनोवेशन हब और दी एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में एमएसएमई सेक्टर में डिकार्बनाइजेशन की जगह क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए राउंडटेबल का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने एमएसएमई में क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए नई तकनीकी पर चर्चा की।

माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय के निर्देशन में हुए इस कार्यक्रम में यूपी टेक्सटाइल्स टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट कानपुर के एसो0 प्रोफेसर डॉ0 अरूण कुमार सिंह गंगवार ने एमएसएमई में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। बताया कि नई तकनीकी का प्रयोग कर क्लीन एनर्जी का प्रयोग किया जा सकता है। इससे न केवल उर्जा की खपत कम होगी बल्कि कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा। इंटीग्रल विश्वविद्यालय के सोलर विभाग के डायरेक्टर प्रो0 टी उस्मानी ने एमएसएमई सेक्टर में सोलर एनर्जी के प्रयोग के बारे में बताया। कहा कि उनके विश्वविद्यालय में सोलर एनर्जी पर कई शोध किये जा रहे हैं। उन्होंने ऑर्गेनिक सोलर सेल के बारे में बताया।

यूपी टेक्सटाइल्स टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट कानपुर के डॉ0 शुभांकर मैती ने नवाचार और नई तकनीकी के समझ चुनौतियों के बारे में बताया। कहा कि नई तकनीकी और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रचार प्रसार जरूरी है। जब इनका प्रयोग होगा तभी लाभ भी मिलेगा। उन्होंने बनाना फाइबर के बारे में भी जानकारी दी। बताया कि इसका प्रयोग किया जा रहा है। सिद्धार्थनगर जिले के हसुड़ी औसानपुर गांव के ग्राम प्रधान दिलीप त्रिपाठी ने अपने गांव में कार्बन उत्सर्जन कम करने के उपाय के बारे में बताया।

एसो0 डीन इनोवेशन डॉ0 अनुज कुमार शर्मा ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर बहुत वृहद है।

# महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा की गारंटी पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा की प्राथमिकता है – अजीत सिंह बब्बन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)भाजपा जिला मुख्यालय पर शक्ति वंदन कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन के नेतृत्व में सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवी संगठन से जुड़ी महिलाओं ने ऑनलाइन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन सुना। पीएम नरेंद्र मोदी ने बंगाल में आयोजित रैली में कहा कि बंगाल की बहने उनके परिवार का हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी के राज में महिलाएं ही नही सुरक्षित है। संदेशखाली की घटना टीएमसी के तुष्टिकरण और गुंडागर्दी का परिणाम है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने पीएम उद्बोधन के बाद कहा कि महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा की गारंटी पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा की प्राथमिकता है। समाज तभी आगे बढ़ता जब संस्कारों की जननी मातृ शक्ति को प्यार, व्यवहार, और सुरक्षा का बोध होता है। पर तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की मानसिकता पाले टीएमसी , सपा, कांग्रेस जैसे दल इस बात को नहीं समझते। उनके लिए उनका वोट बैंक सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति और नीयत देश और समाज के कल्याण को समर्पित रही है। भाजपा पार्टी नहीं बल्कि एक परिवार है। केंद्र सरकार से लेकर प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं में महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने

बताया कि सुदृढ़ कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा का सबसे बड़ा उदाहरण है उत्तर प्रदेश है। पीएम। जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम से ही माफिया गायब हो जाते है। जिलाध्यक्ष ने टीएमसी पर आरोप लगाते हुए कहा कि ममता बैनर्जी के राज में बंगाल में महिलाओं के ऊपर अत्याचार अब एक आम बात हो गई है। अभी तक तो दुर्गा पूजा मनाने से रोका जाता था अब महिलाओं की आबरू से खेला जा रहा है। संदेशखाली की घटना को बंगाल की राज्य सत्कार ने दबाने की बहुत कोशिश की आखिरकार सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पद गया। ममता बैनर्जी का मन तुष्टिकरण के संगीत में ऐसा डूब गया है कि उन्हें अपने राज्य की बहू बेटियों की चीख पुकार नहीं सुनाई पड़ रही। टीएमसी ने नेताओं ने बंगाल को संस्कारों से कंगाल बना दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की रैली में जिस तरह से लोगों की भीड़ दिखाई दे रही है, उसी लगता है कि टीएमसी के पापों की हांडी जल्द ही फूटने वाली है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अलका गुप्ता महामंत्री रीना गुप्ता जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, संजय सिंह गुड्डू महामंत्री अनुराग मिश्रा ओम वर्मा जिला मंत्री अविनाश पांडे नीतू चंद्रा जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, से मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता सत्यम शुक्ला मुकुल सिंह आशा सहित महिला मोर्चा की तमाम पदाधिकारी मौजूद रहीं।

## अग्निशमन अधिकारी नागेन्द्र प्रसाद द्विवेदी की सूझबूझ से टला बड़ा अग्निकांड

अयोध्या। सोमवार की शाम कोतवाली अयोध्या क्षेत्र में अग्निशमन अधिकारी नागेन्द्र प्रसाद द्विवेदी की सूझबूझ से एक बड़ी घटना होते होते बच गई।जब उन्होंने एक जलती

हुई कार में सवार लोगों को समय रहते बचा लिया। बताते चलें कि जिले के रुदौली थाना क्षेत्र के बाबा बाजार रामपुर जनक कार चालक सुधाकर सिंह अर्टिगा सीएनजी कार संख्या यूपी – 32 एनटी 6534 से सरयू आरती देखकर वापस अपने घर जा रहे थे।जब वे कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के रायगंज पुलिस चौकी स्थित सरयू इंटरनेशनल स्कूल के सामने बने न्यू टेंट सिटी शाहजहांपुर मांझा के समीप पहुंचे ही थे कि उक्त कार देखते ही देखते धूं–धूं करके जलने लगी।बिना देरी किए इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने फायर स्टेशन अयोध्या नियंत्रण कक्ष को दिया। इसकी सूचना मिलते ही बिना देरी किए तेज तर्रार अनुभवी अग्निशमन अधिकारी नागेन्द्र प्रसाद द्विवेदी ने अपने सूझबूझ से वहां से फायर ब्रिगेड लाने का निर्देश देते हुए त्वरित पहले से ही न्यू टेंट सिटी शाहजहांपुर मांझा पर तैनात फायर ब्रिगेड के घटना स्थल पर पहुंच गए। इस मौके पर उन्होंने अन्य कोई फायर ब्रिगेड की गाड़ियों की इंतजार किये बिना मौके पर टेंट सिटी शाहजहांपुर मांझा पर तैनात फायर ब्रिगेड की मदद से समय रहते आग पर काबू पा लिया।जिसके चलते इस अग्निकांड में किसी भी तरह जान–माल की क्षति नहीं हुई।उनके द्वारा किए गए सराहनीय कार्य के चलते वहां पर मौजूद सभी लोगों ने उनकी भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए यही कहते दिखाई दे रहे थे कि उन्होंने अपने सूझबूझ से बिना देरी किए समय रहते आग पर काबू पाकर किसी भी तरह की क्षति होने से बचा लिया।

## रक्षामंत्री के सौजन्य से गरीब महिला, बच्चियों को सेनेटरी पैड वितरण किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रधानमंत्री स्वच्छता मिशन की ओर एक पहल के तहत दिनांक 05 मार्च 2024 दिन मंगलवार अपरान्ह 04.30 बजे , निकट श्री हनुमंत पार्क विनीत खंड 3 में रक्षा मंत्री एवं सांसद लखनऊ राजनाथ सिंह की प्रेरणा एवं सौजन्य से गोमती नगर जनकल्याण महासमिति के द्वारा, महिला पदाधिकारियों के द्वारा लगभग 200 वंचित,गरीब महिलाओं एवं बच्चियों में सेनेटरी पैड का वितरण किया किया गया। इस वितरण कार्यक्रम में 'नंदिनी मिश्रा समाज सेविका', सुजाता ,बबिता ,'मनोज कुमार मिश्रा' समाज सेवक सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

## मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल बना अयोध्या का पहला राजभवन विजिट करने वाला विद्यालय

### राज्यपाल के साथ किया सूक्ष्म जलपान

अयोध्या। राज भवन विजिट करने वाला मार्डन ग्रुप आफ स्कूल अयोध्या जिले का पहला स्कूल बना। इस बात की जानकारी देते हुए मार्डन ग्रुप आफ स्कूल के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि राजभवन विजिट के दौरान, मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल के छात्रों ने अनूठा अनुभव प्राप्त किया।इस सांस्कृतिक यात्रा में, इस स्कूल के बच्चों ने राजभवन के सुंदर आकर्षणों को देखने का अवसर प्राप्त करते हुए वहां के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विवादों के परिप्रेक्ष्य में जानकारी प्राप्त करने का सुख उठाया। तत्पश्चात राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के मार्गदर्शन में,बच्चों को सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था का भी अनुभव प्राप्त हुआ।जिससे वे राजभवन के विभिन्न कार्यकलापों में सहभागी बने। राज्यपाल ने उस समय मंत्रिमंडल विस्तार में व्यस्त होने के कारण बच्चों को एक बार

फिर इन बच्चों को दुबारा मुलाकात के लिए बुलाया है। इस मौके पर,बच्चों ने हाइड्रोपोनिक्स, कैक्टस गार्डन, और ब्रिटिशर्स द्वारा बनाए गए स्ट्रक्चर को देखा, साथ ही राजभवन के कार्यों को भी समझने का अवसर प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल, अयोध्या का पहला स्कूल है,जिसे राज भवन में बुलाया गया है।इस मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल कौशल किशोर सिन्हा के साथ साथ वर्षा श्रीवास्तव, उन्नति, जागृति, दिव्यांशु,परी, प्रिंस, अनन्या, निखिल, उत्कर्ष, शिवानी, कृतिका, दिपांशु,श्रेया, प्राजंल,कृष,आयुषि सहित कई छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

## परमिट के मानक पर खरे नहीं उतर रहे ई रिक्शा व आटो चालक

### शीघ्र ही इन वाहनों पर एआरटीओ प्रशासन कसेगा शिकंजा – एआरटीओ प्रशासन

अयोध्या। शीघ्र ही आरटीओ विभाग ऐसे ई रिक्शों पर शिकंजा कसने की तैयारी करने जा रहा है जो सवारियों की जान ले खिलवाड़ करने का काम कर रहे हैं।वही परमिट के नियमों की अनदेखी करते हुये स्कूली बच्चों को लाने का काम कर रहे हैं।बताते चलें कि इस समय चाहे ई रिक्शा हो या फिर अन्य आटो।नियम के अनुसार अगर देखा जाए तो इन वाहनों के दाहिने तरफ भी सवारियों का कोई अंग बाहर न निकलें इसके लिए उस तरफ भी पर्दे, शीशे या फिर खिड़की हो।परंतु इस समय ई रिक्शों व अधिकतर आटो मे दाहिने तरफ किसी भी तरह की खिड़की, पर्दे व अन्य अन्य ऐसी चीजें नहीं लगी हुई दिखाई दे रही है जिसके चलते दाहिने तरफ बैठे सवारियां सुरक्षित रहे। इसमें सबसे अधिक खतरा इन वाहनों में सवार छोटे छोटे स्कूली बच्चों के लिए रहता है। जब ये वाहन किसी गड्ढे या गति अवरोधकों से गुजरते हैं तो धक्के लगने के चलते कई स्कूली बच्चे गिरकर चोटिल भी हो रहे हैं।वही इसी कड़ी में इन वाहनों मे बैठे अन्य सवारियों को भी किसी अनहोनी को लेकर खतरा बना रहता है।इसे गंभीरता से लेते हुए अभी इससे पहले सीओ सिटी रहे अरविंद चौरसिया ने शहर में संचालित इस तरह के ई रिक्शों व आटो पर शिकंजा कसने का कार्य किया था। उनके निर्देश पर शहर में संचालित सभी ई रिक्शों व आटो के दाहिने पूरा पर्दा,शीशा नही तो तारों से ढका रहता था।परंतु उनके स्थानांतरण के बाद यह आदेश ठंडे बस्ते में चला गया।जिसका नतीजा यह दिख रहा है कि अब वर्तमान समय में अधिकतर ई रिक्शा व आटो चालक परमिट के मानक पर खरे नहीं उतरते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस संबंध में एआरटीओ प्रशासन आर पी सिंह ने कहा कि परमिट के मानक के अनुसार किसी भी ई रिक्शा चालक को स्कूली बच्चों को लेकर आना जाना नियम विरुद्ध है। इसके अलावा ई रिक्शों पर केवल चार सवारियों को बिठाया जा सकता है। शीघ्र ही आरटीओ विभाग ऐसे ई रिक्शा व आटो चालक पर शिकंजा कसेगा जो परमिट के मानक पर खरे नहीं उतर रहे हैं।

## 'पाक्सो एक्ट के मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–हरदोई' स्थानीय थाने की पुलिस ने पॉक्सो एक्ट मामले के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय ने बताया कि दिनेश पुत्र परशुराम को गिरफ्तार किया गया है।वह ग्राम पिपरी थाना कोतवाली देहात जनपद सीतापुर का रहने वाला है। पकड़ा गया आरोपी एक महिला के साथ कुछ दिनों से गलत हरकत कर रहा था। पीड़िता ने अंततः इस घटना की जानकारी अपने परिजन को दी। इसके बाद पीड़िता के परिजनों ने घटना की लिखित शिकायत थाने पर दर्ज करवाई। प्रभारी निरीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

## सशक्तनारी से समृद्ध भारत की राह हुई आसान, हर क्षेत्र में महिलाओं ने बढ़ाया देश का मान---अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

पिहानी कस्बे के नगर पालिका परिषद की सभागार में नारी शक्तिबंदन का बर्चुअल कार्यक्रमद सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह के साथ नगर अध्यक्ष गौरव गुप्ता पूर्व नगर अध्यक्ष आदर्श सिंह, महामंत्री नीरज सिह, उपाध्यक्ष विमलेश तिवारी,शानू सिह ,दिनेश अर्कवंशी ,मनीष शर्मा, डाक्टर अंजर खान , प्रदीप अवस्थी, सभासद चांद मियां आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की सैकड़ो महिलाएं भी मौजूद रही।

इस अवसर पर ईओ अमित कुमार सिंह ने महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। जिसमें महिलाओं को तीन तलाक के शाप से मुक्त करने के लिए कानून लाए जाने और महिला उद्यमियों को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए प्रमुखता से उजागर किया। अगर देश को समृद्ध और सशक्त करना है तो उसके लिए महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना होगा। सरकार का अगर पिछले दस सालों का रिपोर्ट कार्ड देखा जाए तो दस में से सात योजनाओं के केंद्र बिंदु में महिलाएं होती हैं। इसके पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सशक्त नारी के जरिए समृद्ध भारत की राह गढ़ने की सोच है और इस सोच को सरकार ने अपनी कार्यशैली में पूरी तरह से उतारा भी है। महिलाओं के जीवन को सुगम बनाना, उन्हें शिक्षित करना और सुरक्षा के साथ ही उनके सम्मान की रक्षा सुनिश्चित करनी होगी। इन चीजों को ध्यान में रखकर ही सरकार ने पिछले दस वर्ष की योजनाएं और कार्यक्रम चलाए है।

मोदी सरकार की दस वर्षों की उपलब्धियां

भाजपा के नगर महामंत्री नीरज सिंह ने सरकार की दस वर्षों की उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि उद्यमिता, सुगम्य जीवन और महिलाओं के लिए सम्मान के माध्यम से उनके सशक्तीकरण को दस वर्षों में गति मिली है। सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा ऋण योजना शुरू की और महिला उद्यमियों को 30 करोड़ मुद्रा योजना ऋण दिये गए हैं। दस वर्षों में उच्चतर शिक्षा में महिलाओं का नामांकन 28 प्रतिशत बढ़ा है।

महिलाओं की बढ़ती भागेदारी

भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष आदर्श सिंह ने बताया कि साइंस, टेक्नालाजी, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट (स्टेम) पाठ्यक्रमों में 43 प्रतिशत नामांकन बालिकाओं और महिलाओं का है जो दुनिया में सबसे अधिक है। इन सभी उपायों का असर कार्यबल (वर्क फोर्स) में महिलाओं की बढ़ती भागेदारी के रूप में दिखाई दे रहा है। मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक के भय से मुक्त करने के लिए तीन तलाक को गैर कानूनी ठहराने वाला कानून लागू किया गया।

एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित

भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव गुप्ता ने बताया कि राजनैतिक रूप से महिलाओं को सशक्त करने और उनकी एक निश्चित भागेदारी सुनिश्चित करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रविधान है। महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें अधिकार संपन्न करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहलू उन्हें घर का मालिकाना हक मिलना भी है।

पीएम आवास योजना का मिला लाभ

भाजपा नेता प्रदीप अवस्थी ने बताया कि पीएम आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को एकल या संयुक्त मालिकों के रूप में 70 प्रतिशत से अधिक घर देने से उनका सम्मान बढ़ा है। महिलाओं के स्वास्थ्य और किशोरियों के पोषण पर भी सरकार का काफी ध्यान है अंतरिम बजट में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पोषण पीएम) योजना में पिछले वर्ष 10000 करोड़ खर्च हुए थे जबकि इस वर्ष अंतरिम बजट में उसे बढ़ा कर 12467 कर दिया गया है।

मिशन शक्ति से महिलाओं को मिला बल

पूर्व सभासद विमलेश तिवारी बताते हैं कि मिशन शक्ति (महिला संरक्षण और सशक्तिकरण मिशन) का बजट भी पिछले वर्ष 2326 करोड़ था जो कि इस अंतरिम बजट में बढ़ा कर 3146 करोड़ कर दिया गया है। एलपीजी कनेक्शन का भी सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं को मिलता है उन्हें धुएं वाले चूल्हे से मुक्ति मिलती है और उनका जीवन आसान हो जाता है इस दिशा में देखा जाए तो सरकार ने गरीब परिवारों को एलपीजी कनेक्शन देने का बजट भी पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ा दिया है।

आत्मनिर्भर बनाना सरकार का लक्ष्य

भाजपा के पदाधिकारी सागर पांडे बताते हैं कि अंतरिम बजट में नौ से 14 वर्ष की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव का टीका लगाने की योजना हो या आंगनवाड़ी और आशा वर्कर को आयुष्मान कार्ड में कवर करने की योजना ये सब दिखाती हैं देश की नारी को स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना इस सरकार का लक्ष्य है। इससे देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में आधी आबादी की बराबरी की भागेदारी सुनिश्चित होगी।

## लखनऊ विश्वविद्यालय के 8 छात्रों का विप्रो कंपनी मे हुआ प्लेसमेंट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्व विद्यालय के अभियांत्रिकीय एवम् तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 8 छात्र–छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट विप्रो कंपनी मे हुआ।

चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो. ए. के. सिंह ने बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य हेतु आशीर्वाद दिया। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि विप्रो कंपनी के द्वितीय चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव मे बीबीए के

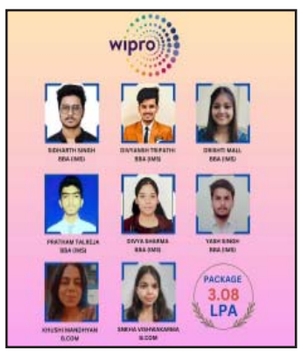


6 छात्रों (सिद्धार्थ सिंह, यश सिंह, दिव्यांश त्रिपाठी, दृष्टि मल, प्रथम तलरेजा एवं दिव्या शर्मा) तथा बी. कॉम के 2 छात्रों (खुशी मंध्यान एवं स्नेहा विश्वकर्मा) का चयन 3.08 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। द्वितीय चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के बाद विप्रो मे विश्वविद्यालय के कुल चयनित छात्रों की संख्या 15 हो गयी हैद्य साथ ही डॉ हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए विप्रो कंपनी मे जॉब के लिए, तीसरे चरण की फिजिकल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 18 एवं 19 मार्च 2024 को लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय मे किया जायेगाद्य

## कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम निषेध और निवारण अधिनियम पर जागरुकता

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के तत्वाधान में, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई सुधाकर दुबे की अध्यक्षता में कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013 विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रमध्प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आर्यावर्त बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय हरदोई के सभागार में किया गया। कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम निषेध और निवारण अधिनियम 2013 आयोजित जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं का उत्पीड़न रोकथाम,निषेध एवं निवारण अधिनियम 2013 विषय पर संक्षिप्त रूपरेखा के बारे में बताते हुए अपर जिला जज ने सम्बंधित विषय पर जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में जो महिलाएं अपने घरों से बाहर निकल कर कार्य करती हैं।यह अधिनियम उन सभी महिलाओं के लिए बनाया गया है। इस अधिनियम में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न की रोकथाम किस प्रकार की जाएगी इसके बारे में जानकारी दी।उन्होंने महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 विषय पर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में ध् जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित बैंक अधिकारियों को विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक आर0के0 वर्मा, क्षेत्रीय प्रबंधक प्रान्तोष कुमार चौहान तथा समस्त कर्मचारीगण आदि मौजूद रहे।

## अयोध्या में रन–फार–राम हॉफ मैराथन का आयोजन 10 मार्च को

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। विगत 22 जनवरी को अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भव्य राम–लला जी की

प्राण–प्रतिष्ठा के बाद संघ का आनुषांगिक संगठन क्रीड़ा भारती एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है। क्रीड़ा भारती के प्रदेश अध्यक्ष व सदस्य विधान परिषद अवनीश कुमार सिंह ने के डी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि 10 मार्च को अयोध्या में 'रन –फॉर –राम' नाम से हॉफ –मैराथन के आयोजन में देश–विदेश से प्रतियोगी जुटेंगे। अयोध्या जी में राम–पथ और भक्ति–पथ पर आयोजित कार्यक्रम के लिए 3 हजार से ज्यादा देशी–विदेशी लोगों ने स्पेशल वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है। श्री सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि यह एक महत्वपूर्ण और उत्साहभरा क्रीडा आयोजन है जो देशी और विदेशी प्रतियोगियों को एक साथ मिलाकर भाग लेने का अवसर प्रदान कर रहा है। इस प्रकार के आयोजन समय समय पर क्रीड़ा भारती के द्वारा आयोजित किये जाते रहते है। यह आयोजन फिटनेस के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है जो कि आध्यात्मिक नगरी अयोध्या में होने जा रहा है। हर वह व्यक्ति जो 12 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है इस इवेंट में प्रतिभाग कर सकता है।

## नरेंद्र मोदी को तीसरी बाद प्रधानमंत्री बनाना हमारा संकल्प – सतीश मिश्रा'

सुल्तानपुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम अचल राजभर के मंत्रिमंडल में शपथ लेने के बाद पार्टी नेताओं को भी बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। इस दौरान सुभाषपा अमेठी जिलाध्यक्ष एवं सुल्तानपुर प्रभारी सतीश मिश्रा के आगमन पर स्वागत सत्कार कर उन्हे बधाई दी गई। वहीं औचारिक मुलाकात करने अपना दल एस कार्यालय पहुंचे सतीश मिश्र को अपना दल जिलाध्यक्ष अविनाश पटेल, उपाध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव,

जिला महासचिव पंकज तिवारी, लंभुआ विधानसभा अध्यक्ष प्रवीण वर्मा, बीजेपी प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी, निषाद पार्टी के प्रदेश सचिव बृज लाल वर्मा, निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष राजेश निषाद सहित तमाम लोगों ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया और बधाई दी। इस दौरान सतीश मिश्र ने कहा हम सब एनडीए गठबंधन के सदस्य हैं और आने वाले लोकसभा चुनाव में किसी भी हाल में नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है और इसके लिए हम सभी संकल्पित हैं।

## इमरजेंसी सुविधा में होगी बढोतरी –प्रो.सीएम सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। किसी भी मरीज को बिना इलाज वापस न जाना पड़े इसके लिए इजरजेंसी स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की जरूरत है। इसमें बेड बढोतरी के साथ जो भी कमियां होंगी उसे दूर करने के लिए प्रयत्नशील हूं और यह कमिटमेंट है कि किसी भी मरीज को शिकायत करने का मौका नहीं दिया जायेगा। यह बातें मंगलवार को डॉ.राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान नवनियुक्त निदेशक प्रो.सीएम सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी ट्रामा सेन्टर में सुविधाओं को कैसे बढाया जाये उस पर कार्य किया जा रहा है।प्रो.सिंह ने कहा कि पढाई कर रहे एमबीबीएस छात्रों को शोध के क्षेत्र से जोड़ा जायेगा। जिससे किसी भी बीमारी का इलाज करना आसान बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि चिकित्सा स्वास्थ्य को आसान बनाने में शोध की अहम भूमिका होती है। वहीं वार्ता के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो.एके सिंह, मीडिया प्रभारी डॉ.एपी जैन, एमएस डॉ.विक्रम सिंह, डॉ निमिषा समेत संस्थान के अन्य लोग मौजूद रहे।

साान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।